

अतिरिक्त भाग

च्यवित पाप के दासत्व से मुक्त कैसे होता है?

मुक्त होने के लिए आवश्यक है:

सुनना

(रोमियो 10:17)

विश्वास करना
(यूहना 3:16)

मसीह की कलीसिया

मन फिराना
(प्रेरितों के काम 17:30)

लोग
पाप के
दासत्व
में हैं

कौन ?
छुड़ाए हुए लोग
देह का सिर कौन है ?
मसीह
उन्हें कलीसिया में मिलता
कौन है ?
परमेश्वर

मसीह गजा छुड़ाने वाला है
(यूहना 8:32, 36; 18:37; रोमियो 8:2; 11:26)

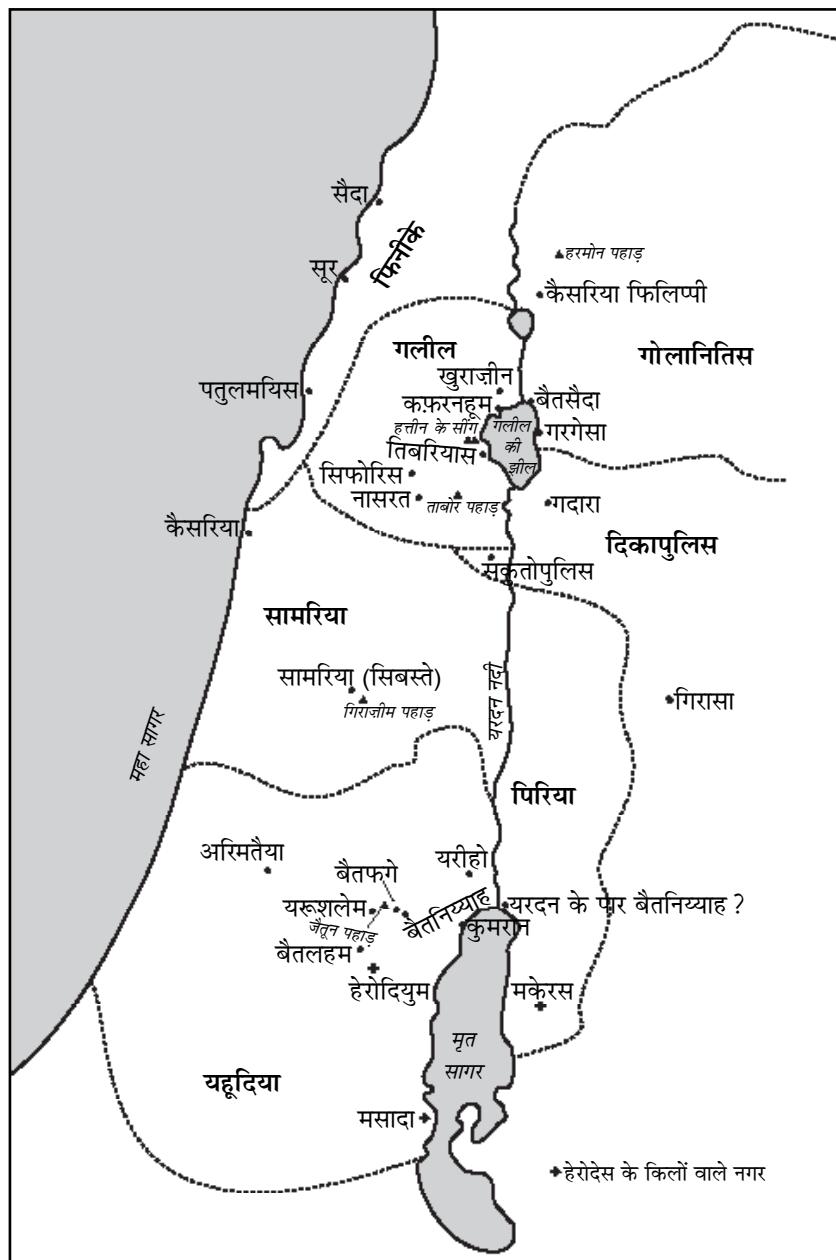
संसार

सुसमाचार की पुस्तकों में मसीह के आश्चर्यकर्म

| | मत्ती | मरकुस | लूक्रा | यूहना |
|---|-----------|----------|-----------|---------|
| पानी को दाखरस में बदलना | | | | 2:1-11 |
| कफरनहूम में दुष्टात्माओं को निकालना | | 1:23-26 | 4:33-35 | |
| पतरस की सास को चंगा करना | 8:14, 15 | 1:29-31 | 4:38, 39 | |
| आश्चर्यकर्म के द्वारा मछलियां पकड़ना | | | 5:1-11 | |
| कोढ़ी को चंगाई | 8:2-4 | 1:40-45 | 5:12-16 | |
| लकवे के रोटी को चंगाई | 9:1-8 | 2:1-12 | 5:17-26 | |
| सूखे हाथ वाले को चंगा करना | 12:9-13 | 3:1-5 | 6:6-11 | |
| सूबेदार के सेवक को चंगा करना | 8:5-13 | | 7:1-10 | |
| विधवा के पुत्र को जिलाना | | | 7:11-17 | |
| तृफान को शांत करना | 8:23-27 | 4:35-41 | 8:22-25 | |
| दुष्टात्माओं से पीड़ित गेदरनियों को चंगाई | 8:28-34 | 5:1-20 | 8:26-39 | |
| लहू बहने वाली स्त्री और याईर की बेटी को चंगाई | 9:18-26 | 5:21-43 | 8:40-56 | |
| दो अंधों को चंगाई | 9:27-31 | | | |
| गूंगे को चंगाई | 9:32, 33 | | | |
| राजकर्मचारी के पुत्र की चंगाई | | | | 4:46-54 |
| लाचार आदमी को चंगाई | | | | 5:1-9 |
| पांच हजार को खिलाना | 14:15-21 | 6:35-44 | 9:10-17 | 6:1-14 |
| पापी पर चलना | 14:22-33 | 6:47-52 | | 6:16-21 |
| चार हजार को खिलाना | 15:32-39 | 8:1-9 | | |
| मछली के मुँह से निकले पैसे से कर चुकाना | 17:24-27 | | | |
| दुष्टात्मा को निकालना | 12:22, 23 | | 11:14 | |
| कनानी स्त्री की बेटी को चंगाई देना | 15:21-28 | 7:24-30 | | |
| बहरे को चंगाई देना | | 7:31-37 | | |
| अंधे को चंगाई देना | | 8:22-26 | | |
| दुष्टात्माओं से पीड़ित लड़के को चंगाई देना | 17:14-18 | 9:14-29 | 9:37-43 | |
| लाचार स्त्री को चंगाई देना | | | 13:11-17 | |
| जलन्धर के रोटी को चंगाई देना | | | 14:1-6 | |
| दस कोडियों को चंगाई देना | | | 17:11-19 | |
| जन्म के अंधे को चंगाई देना | | | | 9:1-7 |
| लाजर को जिलाना | | | | 11:1-45 |
| दो अंधों को चंगाई देना | 20:29-34 | 10:46-52 | 18:35-43 | |
| अंजीर के वृक्ष को श्राप देना | 21:18-22 | 11:12-14 | | |
| मलखुस का कान लगाना | | | 22:50, 51 | |
| आश्चर्यकर्म के द्वारा मछलियां पकड़ना | | | | 21:1-14 |

| पवित्र शास्त्र में दिए गए अनुसार प्रेरितों के नाम* | | | |
|--|--|--|---|
| मती 10:2-4 | मरकुस 3:16-19 | लूका 6:13-16 | प्रेरितों 1:13 |
| शमैन पतरस अन्द्रियास याकूब यूहना | शमैन पतरस याकूब यूहना अन्द्रियास | शमैन अन्द्रियास याकूब यूहना | पतरस यूहना याकूब अन्द्रियास |
| फिलिप्पस बरतुल्मे थोमा मती | फिलिप्पस बरतुल्मे मती थोमा | फिलिप्पस बरतुल्मे मती थोमा | फिलिप्पस थोमा बरतुल्मे मती |
| हलफई का पुत्र याकूब तहै शमैन कनानी यहूदा इस्करियोती | हलफई का पुत्र याकूब तहै शमैन कनानी यहूदा इस्करियोती | हलफई का पुत्र याकूब तहै शमैन कनानी यहूदा इस्करियोती | हलफई का पुत्र याकूब शमैन कनानी याकूब का पुत्र यहूदा यहूदा इस्करियोती |

*शमैन पतरस, फिलिप्पस, और हलफई के पुत्र याकूब का नाम सब स्राचियों में पहले, पांचवें और नौवें स्थान पर है। यह इस बात का सुझाव देता है कि वे “युप लीडर” थे और बाहरी प्रेरितों को चार-चार के तीन गुणों में जाटा गया था।



मसीह की सेवकाई के समय पलिश्टीन